Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-C2-102

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

B.A. Darshan (Honours), Semester : First

दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय

सांख्य दर्शन

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. महर्षि कपिल प्रणीत सांख्यदर्शनानुसार मूल प्रकृति से सृष्टि-उत्पत्ति-क्रम का सूत्रानुसार सप्रमाण विवेचना करें।
2. सांख्यदर्शनानुसार प्रथम अध्याय में वर्णित आत्मतत्व की सिद्धि के लिये दिये गये हेतु अथवा प्रमाणों की विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
3. सांख्यदर्शन में वर्णित स्थूल शरीर तथा सूक्ष्म शरीर के स्वरूप का सप्रमाण विस्तृत वर्णन करें।
4. सांख्यदर्शन में विवेकज्ञान की निष्पत्ति के लिये किन-किन साधनों का वर्णन किया गया है? प्रत्येक को प्रमाणपूर्वक समझाइये।
5. सांख्यदर्शन में वर्णित बुद्धि-सर्ग का विस्तारपूर्वक निरूपण करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "अथ त्रिविधदुःखात्यन्तनिवृत्तिरत्यन्तपुरूषार्थः।" सूत्र की सप्रसंग विवेचना कीजिये।
7. 'स हि सर्ववित् सर्वकर्ता' और 'ईदृशेश्वरसिद्धिः सिद्धा' इन दोनों सूत्रों की व्याख्या कीजिये।
8. सांख्यदर्शनानुसार 'सत्कार्यवाद' की सिद्धि में प्रमाण प्रस्तुत करें।
9. 'भूतचैतन्यवाद' को सांख्यदर्शन के अनुसार निराकरणपूर्वक समझाइये।
10. "न नित्य शुद्धबुद्धमुक्तस्वभावस्य तद्योगस्तद्योगादृते" सूत्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।
11. सांख्यदर्शनानुसार 'वृत्तयः पञ्चतय्यः क्लिष्टाक्लिष्टाः' सूत्र को समझाते हुये 'स्वस्थ' की परिभाषा भी लिखिये।
12. 'असङ्गोऽयं पुरूष' इति इस सूत्र का विस्तृत वर्णन कीजिये।

----------X----------